अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

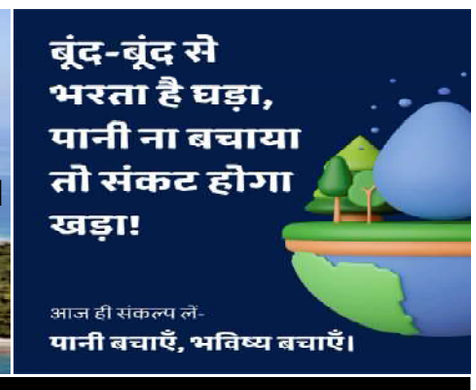

रजि.न.34300/80 | संख्या 126 | श्री विजय पुरम, बुधवार, 13 मई 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

एडमिरल डी. के. जोशी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.), माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी ने आज उत्तराखंड के रुड़की में आयोजित राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान की 43वीं वार्षिक आम बैठक में शिरकत की। यह बैठक माननीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। माननीय उप राज्यपाल ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में पर्यटन गतिविधियों तथा अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों, ग्रेट निकोबार द्वीप टाउनशिप, पोर्ट अटलांटा आदि जैसी आगामी बड़ी परियोजनाओं के कारण जल की बढ़ती मांग एवं आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने द्वीपसमूह में जल सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु उपयुक्त समाधान सुझाए, क्योंकि यहां वर्षा ही जल का प्रमुख स्रोत है और कमज़ोर मानसून की स्थिति में जल संकट उत्पन्न हो जाता है।

विचार । एआई युग में निकोबार को नए भविष्य की ओर बढ़ना होगा

समुद्री रणनीतिकारों के अनुसार, ग्रेट निकोबार से मलाका जलडमरूमध्य तक का मार्ग पनामा नहर और जिब्राल्टर जलडमरूमध्य से भी अधिक महत्वपूर्ण है।

हाल ही में आयोजित वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि यदि हम आगे नहीं बढ़ते, तो ठहराव और विनाश की खाई में गिर जाते हैं। यह बात केवल मनुष्यों पर ही नहीं, बल्कि भूभागों और राष्ट्रों पर भी लागू होती है।

कल्पना कीजिए कि माउंट एवरेस्ट की चोटी पर बैठकर पूरी दुनिया को देखने के लिए एक कार्यस्थल हो; समुद्री दृष्टि से भारत के लिए ग्रेट निकोबार का महत्व कुछ ऐसा ही है। यह द्वीप चेन्नई की तुलना में इंडोनेशिया और मलेशिया के अधिक निकट है तथा भारत को मलाका जलडमरूमध्य और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अत्यंत सामरिक स्थिति प्रदान करता है।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, जिनकी कुल संख्या लगभग 572 है और जिनमें से केवल 38 द्वीप आबाद हैं, लंबे समय तक अपने ब्रिटिशकालीन नाम "काला पानी" की छवि से बाहर नहीं निकल पाए थे। किंतु मोदी सरकार द्वारा इनके व्यापक विकास की दिशा में कदम उठाए जाने के बाद स्थिति में बड़ा परिवर्तन आया। यही कारण है कि पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल डी. के. जोशी को पिछले आठ वर्षों से द्वीपसमूह का उप राज्यपाल बनाए रखा गया है।

स्थानीय लोगों के लिए सुरक्षित पेयजल व्यवस्था से लेकर पर्यटन सुविधाओं के विस्तार तथा क्रांतिकारियों एवं परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर द्वीपों का नामकरण करने तक, केंद्र सरकार ने ग्रेट निकोबार के सामरिक विकास की व्यापक परिकल्पना की है, जिसका इंतजार दशकों से किया जा रहा था।

अगस्त, 2020 में पीएम मोदी ने चेन्नई से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह तक भारत की पहली 2,312 किलोमीटर लंबी सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर केबल परियोजना का उद्घाटन किया था, जिसकी लागत 1,224 करोड़ रुपये थी। इसी अवसर पर उन्होंने ग्रेट निकोबार में एक ट्रांसशिपमेंट पोर्ट विकसित करने की घोषणा की, ताकि क्षेत्रीय बंदरगाहों का विकल्प उपलब्ध कराया जा सके।

इसके अंतर्गत साउथ बे, ग्रेट निकोबार में फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग ज़ोन सहित कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल विकसित करने की योजना बनाई गई, जिससे भारतीय शिपिंग कोलंबो, सिंगापुर और मलेशिया के पोर्ट क्लांग जैसे बंदरगाहों पर निर्भर न रहना पड़े। 72,000 करोड़ रुपये की इस परियोजना को वर्ष 2021 में केंद्रीय मंत्रिमंडल की स्वीकृति प्राप्त हुई। हालांकि, पर्यावरण एवं अन्य मुद्दों को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण तथा कलकत्ता उच्च न्यायालय में चुनौतियां प्रस्तुत किए जाने के कारण परियोजना में देरी एवं लागत वृद्धि हुई।

विश्व मानचित्र पर देखने पर ग्रेट निकोबार एक छोटे से बिंदु जैसा दिखाई देता है, किंतु यह भारत के अंतिम छोर 'इंदिरा पॉइंट' के रूप में मलाका जलडमरूमध्य की निगरानी करता है। भू–राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापारिक मार्गों में से एक है।

भारत के लिए मलाका जलडमरूमध्य का महत्व अत्यंत व्यापक है। चीन के लगभग 80 प्रतिशत तेल आयात तथा भारी मात्रा में वैश्विक व्यापार इसी मार्ग से गुजरते हैं। चीन ने 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति के तहत पाकिस्तान के ग्वादर, श्रीलंका के हम्बनटोटा और जिबूती जैसे क्षेत्रों में निवेश कर हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत की है। ऐसे में ग्रेट निकोबार में भारत की सक्रियता स्वाभाविक रूप से चीन के लिए चिंता का विषय है।

एस. राजारत्नम स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज़ की विदुषी काएकामोल पितकदमरोंगकिट के अनुसार, मलाका जलडमरूमध्य हिंद–प्रशांत क्षेत्र का महत्वपूर्ण समुद्री संपर्क मार्ग है, जो हिंद महासागर और प्रशांत महासागर को जोड़ता है। विश्व के लगभग 60 प्रतिशत समुद्री व्यापार का आवागमन इसी क्षेत्र से होता है तथा यहां विश्व के 10 सबसे व्यस्त बंदरगाहों में से 9 स्थित हैं।

यदि खैबर दर्रा मध्य एशिया के लिए महत्वपूर्ण था, तो मलाका जलडमरूमध्य पूर्वी एशिया के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है। चोल साम्राज्य, श्रीविजय काल तथा झेंग हे के समय से यह भारत के समुद्री व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क का प्रमुख मार्ग रहा है। हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म तथा भारतीय सांस्कृतिक प्रभाव का दक्षिण–पूर्व एशिया में प्रसार इसी समुद्री संपर्क के माध्यम से हुआ।

भारत मूलतः एक समुद्री राष्ट्र रहा है, किंतु खैबर दर्रे से हुए आक्रमणों के बाद उसका ध्यान पश्चिमी सीमाओं की ओर अधिक केंद्रित हो गया। समुद्री रणनीतिकारों के अनुसार ग्रेट निकोबार से मलाका जलडमरूमध्य तक का मार्ग पनामा नहर और जिब्राल्टर जलडमरूमध्य से अधिक महत्वपूर्ण है। इस मार्ग से प्रतिवर्ष लगभग 90,000 जहाज़ गुजरते हैं, जो वैश्विक समुद्री यातायात का एक–तिहाई से अधिक है।

ग्रेट निकोबार भारत का अत्यंत सुंदर द्वीप है, किंतु आज भी यह देश के अधिकांश लोगों के लिए अपरिचित है। यह इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप से मात्र 180 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसका क्षेत्रफल लगभग 921 वर्ग किलोमीटर है तथा इसकी जनसंख्या लगभग 8,067 है।

यह भी सत्य है कि विकास के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता, जनजातीय सुरक्षा एवं सांस्कृतिक संरक्षण जैसे मुद्दों की अनदेखी नहीं की जा सकती। इन विषयों पर सरकार एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अनेक स्पष्टीकरण दिए जा चुके हैं। भारत को 1962 जैसी भूलों से बचते हुए रक्षा एवं सामरिक दृष्टि से सतर्क रहना होगा। ग्रेट निकोबार का व्यापक विकास इसी सामरिक दृष्टिकोण का एक अनिवार्य हिस्सा है। (स्रोत : https://www.theweek.in/)

ज़िला परिषद, दक्षिण अण्डमान के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री पी. उमर एवं उपाध्यक्ष श्री आशामंजा हलदर ने आज पूर्व अध्यक्ष श्री प्रकाश अधिकारी के साथ अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के मुख्य सचिव डॉ. चंद्र भूषण कुमार (आईएएस) से औपचारिक भेंट की।

बैठक के दौरान ज़िला परिषद, दक्षिण अण्डमान से संबंधित विभिन्न विकासात्मक मुद्दों एवं प्रगतिरत कार्यों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

पेंशन लाभार्थियों से जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की अपील

श्री विजय पुरम, 12 मई

समाज कल्याण विभाग से वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, निराश्रित भत्ता एवं दिव्यांग भत्ता प्राप्त कर रहे सभी लाभार्थियों, जिन्होंने अभी तक अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा नहीं किया है, उनसे अनुरोध किया गया है कि वे 30 जून, 2026 तक संबंधित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/मुख्य सेविका के पास अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करें। ऐसा न करने पर वित्तीय सहायता बंद की जा सकती है। समाज कल्याण निदेशालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि लाभार्थियों की निरंतर पात्रता के सत्यापन हेतु जीवन प्रमाण पत्र एक अनिवार्य दस्तावेज़ है।

माननीय सांसद ने सीआरएफ के अंतर्गत विम्बर्लीगंज डिवीजन एवं नगरपालिका क्षेत्र में सड़क सुधार कार्यों के लिए शिलान्यास किया

श्री विजय पुरम, 12 मई

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय ने पूर्व में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रमों की निरंतरता में 9 एवं 10 मई, 2026 को अण्डमान लोक निर्माण विभाग (एपीडब्ल्यूडी) के आरसीडी, विम्बर्लीगंज डिवीजन के अंतर्गत होप टाउन, शोर प्वाइंट, बम्बूफ्लाट, टापू बस्ती, कन्यापुरम, विम्बर्लीगंज, शोल बे, राइट म्यो तथा मनारघाट सहित 19 स्थानों पर विभिन्न सड़क सुधार एवं नवीनीकरण कार्यों के लिए शिलान्यास किया।

इसके अतिरिक्त, 11 मई, 2026 को माननीय सांसद ने नगरपालिका क्षेत्र के अंतर्गत हैडो, दिलानीपुर, प्रेम नगर, डेयरी फार्म, स्कूल लाइन, डॉलीगंज तथा ओल्ड पहाड़गांव सहित 9 स्थानों पर संपर्क सड़कों के विशेष मरम्मत, नवीनीकरण एवं सुधार कार्यों के लिए भी शिलान्यास किया। इन विकासात्मक कार्यों हेतु आवश्यक धनराशि माननीय सांसद द्वारा केंद्रीय सड़क निधि (सीआरएफ) के अंतर्गत संबंधित मंत्रालय से अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सहयोग एवं समर्थन से प्राप्त की गई। सांसद कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि ग्रामीणों, यात्रियों, पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों, समाजसेवियों तथा स्थानीय निवासियों ने माननीय सांसद एवं अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के प्रयासों की सराहना की तथा इन बहुप्रतीक्षित सड़क कार्यों के प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इन कार्यों से संबंधित क्षेत्रों में संपर्क व्यवस्था बेहतर होगी तथा यात्रियों एवं वाहनों की आवाजाही सुगम बनेगी।

समुद्री परिवहन सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने जारी की नाव सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण सलाह

श्री विजय पुरम, 12 मई

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में समुद्री परिवहन पर व्यापक निर्भरता को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने सभी नाव संचालकों एवं नाव प्रभारियों के लिए नाव सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर पुनः बल दिया है। द्वीपों के बीच संपर्क मुख्य रूप से छोटी नावों, फेरी सेवाओं एवं यंत्रीकृत नौकाओं पर आधारित होने के कारण यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

आपदा प्रबंधन निदेशालय ने समुद्री एवं ज़िला प्रशासन के सहयोग से सभी नाव संचालकों से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी सुरक्षा मानकों एवं दिशा–निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया है। संचालकों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है कि नौकाएं समुद्र यात्रा के लिए उपयुक्त हों, उनका नियमित रखरखाव किया जाए तथा निर्धारित क्षमता से अधिक यात्रियों या सामान का भार न लिया जाए।

आपदा प्रबंधन निदेशक ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सभी नाव संचालकों एवं नाव प्रभारियों से भारत सरकार, नई दिल्ली के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा अनुशंसित निम्नलिखित "क्या करें और क्या न करें" दिशा–निर्देशों का पालन करने का अनुरोध किया है:

- नाव संचालन के दौरान सर्वे प्रमाणपत्र एवं लाइसेंस नौका पर उपलब्ध रखें।
- नाव पर किसी भी प्रकार की विस्फोटक एवं खतरनाक सामग्री ले जाने की अनुमति न दें।
- यह सुनिश्चित करें कि यात्रियों को संभालने हेतु पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित चालक दल मौजूद हो।
- नाव में निर्धारित सीमा से अधिक भार न लें।
- नाव पर सही एवं आवश्यक जानकारी का उचित प्रसार सुनिश्चित करें।
- नाव में किसी भी प्रकार का अनधिकृत परिवर्तन न होने दें।
- यह सुनिश्चित करें कि नाव अग्निशमन एवं बचाव कार्यों के लिए आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित हो तथा चालक दल प्रशिक्षित हो।
- किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को नाव पर चढ़ने की अनुमति न दें।
- यह सुनिश्चित करें कि नाव तृतीय पक्ष जोखिम बीमा से आच्छादित हो।
- संचालन के दौरान नाव को स्वच्छ एवं सूखा रखें।
- नाव संचालन प्रारंभ होने से पूर्व उचित संचार व्यवस्था सुनिश्चित करें।

आपदा प्रबंधन निदेशालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने सभी संबंधित पक्षों से सुरक्षा को साझा ज़िम्मेदारी मानते हुए नाव सुरक्षा संबंधी दिशा–निर्देशों का सख्ती से पालन करने की अपील की है, ताकि द्वीपसमूह में जनजीवन एवं आजीविका की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

खुफिया समन्वय एवं जांच क्षमताओं को सुदृढ़ करने हेतु नैटग्रिड कार्यशाला हुई

श्री विजय पुरम, 12 मई

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस और अन्य जांच एजेंसियों के अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय खुफिया ग्रिड (नैटग्रिड), गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 11 मई, 2026 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस पुलिस प्रशिक्षण संस्थान (एनएससीबीपीटीआई), श्री विजय पुरम में "नैटग्रिड सॉल्यूशंस" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला–सह–प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में नैटग्रिड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री हिरदेश कुमार (आईएएस) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ श्री मुरलीधर मिश्रा एवं श्री अनुप कुमार भी मौजूद थे। कार्यक्रम में अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों तथा अन्य जांच एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ श्री हिरदेश कुमार (आईएएस) द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर अण्डमान तथा

निकोबार पुलिस की अपर पुलिस महानिदेशक श्रीमती सिंधु पिल्लै (आईपीएस), पुलिस उप महानिरीक्षक (प्रशिक्षण) डॉ. ए. कोन (आईपीएस)

शेष पृष्ठ 4 पर

बेटापुर खाड़ी में समय पर पुलिस कार्रवाई से मछुआरे को सफलतापूर्वक बचाया गया

मायाबंदर, 12 मई

मध्य अण्डमान की बेटापुर आउट पोस्ट एवं पीएमएफ की पुलिस टीम द्वारा त्वरित एवं समन्वित बचाव अभियान चलाकर बेटापुर खाड़ी क्षेत्र में लापता हुए एक व्यक्ति को सुरक्षित बचा लिया गया। यह घटना तब प्रकाश में आई जब ड्यूक नगर निवासी श्री निताई मिस्त्री ने बेटापुर पोस्ट में सूचना दी कि वे श्री दिनेश के साथ बेटापुर खाड़ी क्षेत्र में मछली पकड़ने गए थे। मछली पकड़ने के दौरान दिनेश अचानक बेहोश होकर पानी में गिर पड़े। इस पर श्री निताई मिस्त्री ने तुरंत उन्हें बचाने का प्रयास किया और कुछ समय तक उन्हें संभाले रखा। इसके बाद दोनों किनारे की ओर तैरने लगे, लेकिन डिंगी पर चढ़ने का प्रयास करते समय दिनेश कथित रूप से क्रीक के पानी में

लापता हो गए। सूचना प्राप्त होते ही बेटापुर आउट पोस्ट की

शेष पृष्ठ 4 पर

अबर्डीन थाना स्टाफ की सतर्कता एवं समय पर हस्तक्षेप से कार्बाइंस कोव समुद्र तट पर संकटग्रस्त नाबालिग बालिका की जान बची

श्री विजय पुरम, 12 मई

अबर्डीन थाना के स्टाफ द्वारा सतर्कता, संवेदनशीलता एवं समय पर हस्तक्षेप का सराहनीय परिचय देते हुए यहां के कार्बाइंस कोव समुद्र तट पर आत्महत्या का प्रयास कर रही एक संकटग्रस्त नाबालिग बालिका को सुरक्षित बचा लिया गया। उनकी त्वरित कार्रवाई से बालिका की जान बच सकी तथा यह अण्डमान तथा निकोबार पुलिस की जनसुरक्षा एवं जीवन रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

11 मई, 2026 को अबर्डीन थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षी (विशेष श्रेणी) बसंती मिस्त्री कार्बाइंस कोव समुद्र तट पर ड्यूटी पर तैनात थीं। इसी दौरान उन्होंने एक नाबालिग बालिका को समुद्र किनारे अकेले एवं अत्यंत व्यथित अवस्था में बैठे देखा। स्थिति को भांपते हुए उन्होंने बालिका से संपर्क किया तथा उससे बातचीत कर मामले की जानकारी ली। पूछताछ के दौरान पता चला कि बालिका मानसिक आघात एवं अवसाद से गुजर रही थी तथा आत्महत्या करने के विचार से ग्रसित थी। इस पर प्रधान आरक्षी (विशेष श्रेणी) बसंती मिस्त्री उसे आवश्यक परामर्श हेतु अबर्डीन पुलिस थाना लेकर आईं। काउंसलिंग के दौरान पीड़ित बालिका ने अपने साथ हुई घटनाओं की जानकारी दी, जिसके आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। प्रत्येक बचाई गई जान मानवता की जीत है। प्रधान आरक्षी (विशेष श्रेणी) बसंती मिस्त्री का यह साहसिक एवं संवेदनशील कार्य महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा के प्रति अण्डमान तथा निकोबार पुलिस की समर्पण भावना एवं पेशेवर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही, यह सहानुभूतिपूर्ण पुलिसिंग के माध्यम से आमजन के विश्वास को और अधिक मजबूत करता है।

दक्षिण अण्डमान के पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इसके अतिरिक्त, मानसिक तनाव से जूझ रहे लोग टेली मानस पोर्टल पर लॉगिन कर सकते हैं अथवा हेल्पलाइन नंबर 14416 पर कॉल कर परामर्शदाता से संपर्क कर सकते हैं। यह सेवा विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में तनाव, चिंता एवं अवसाद के लिए विशेषज्ञ परामर्श, वीडियो/ऑडियो परामर्श तथा प्रारंभिक हस्तक्षेप सुविधाएं प्रदान करती है।

पुलिस द्वारा सशस्त्र पुलिस इकाई, पुलिस लाइन में "उड़ान समर कैंप–2026" का आयोजन

श्री विजय पुरम, 12 मई

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस की सशस्त्र पुलिस इकाई (एपीयू) द्वारा पुलिस कर्मियों के बच्चों तथा आम जनता के लिए कल्याण एवं सामुदायिक सहभागिता पहल के अंतर्गत "उड़ान समर कैंप–2026" का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 18 मई, 2026 से 17 जून, 2026 तक एपीयू पुलिस लाइन में निःशुल्क आयोजित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य ग्रीष्मावकाश के दौरान बच्चों एवं युवाओं को रचनात्मक, रोचक एवं ज्ञानवर्धक मंच प्रदान करना है, जिसमें सृजनात्मकता, स्वास्थ्य, शिक्षा, अनुशासन तथा समग्र व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। "समर कैंप वह स्थान है, जहां सीखने के साथ रोमांच जुड़ता है, आत्मविश्वास विकसित होता है और यादें जीवनभर साथ रहती हैं"–इसी प्रेरणादायक भावना के साथ आयोजित यह एक माह का कार्यक्रम सभी प्रतिभागियों के लिए आनंददायक एवं सार्थक अनुभव प्रदान करेगा। शिविर को विभिन्न आयु वर्गों एवं रुचियों को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार तैयार किया गया है कि इसके माध्यम से सहभागियों का समग्र विकास हो सके। इसके अंतर्गत विविध संवादात्मक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी पेशेवर, प्रशिक्षक एवं विशेषज्ञ प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करेंगे। गतिविधियों का उद्देश्य शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, रचनात्मकता, टीम भावना, आत्मविश्वास तथा सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। खेल एवं मनोरंजक गतिविधियों के अतिरिक्त प्रतिभागियों के लाभ हेतु विशेष कॅरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों की सूची निम्नानुसार है:

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	आयु वर्ग	संभावित समय–सारणी	स्थान
1	एथलेटिक्स	08 वर्ष से 17 वर्ष	शाम 3.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक	नेताजी स्टेडियम
2	शतरंज	08 वर्ष से 17 वर्ष	सुबह 9.30 बजे से सुबह 10.30 बजे तक	पुलिस लाइन
3	क्रिकेट	08 वर्ष से 17 वर्ष	शाम 3.30 बजे से शाम 5 बजे तक	नेताजी स्टेडियम
4	फुटबॉल	08 वर्ष से 17 वर्ष	शाम 3.30 बजे से शाम 5 बजे तक	नेताजी स्टेडियम
5	वॉलीबॉल	08 वर्ष से 17 वर्ष	शाम 3.30 बजे से शाम 5 बजे तक	पुलिस लाइन
6	बैडमिंटन	08 वर्ष से 17 वर्ष	सुबह 9.30 बजे से सुबह 11 बजे तक	मरीन डॉकयार्ड
7	योग/ध्यान	08 वर्ष से अधिक आयु, वयस्क सहित	सुबह 6.30 बजे से सुबह 8.30 बजे तक	पुलिस लाइन
8	वाद्य यंत्र प्रशिक्षण	08 वर्ष से अधिक आयु	शाम 3 बजे से शाम 4.30 बजे तक	पुलिस लाइन
9	संगीत एवं नृत्य	08 वर्ष से अधिक आयु	शाम 3 बजे से शाम 4.30 बजे तक	पुलिस लाइन
10	सिलाई प्रशिक्षण	वयस्क आयु वर्ग	सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक	पुलिस लाइन
11	मुक्केबाजी	08 वर्ष से 17 वर्ष	शाम 3.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक	पुलिस लाइन
12	चित्रकला	08 वर्ष से 16 वर्ष	सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक	पुलिस लाइन
13	रेखाचित्र कला	08 वर्ष से 16 वर्ष	दोपहर 12 बजे से दोपहर 1 बजे तक	पुलिस लाइन

सत्रों का आयोजन कार्यदिवसों एवं शनिवार को पुलिस लाइन तथा नेताजी स्टेडियम सहित विभिन्न स्थलों पर किया जाएगा, जिससे सभी प्रतिभागियों को सुविधा एवं सुगम पहुंच सुनिश्चित हो सके। इच्छुक व्यक्तियों से अनुरोध किया गया है कि वे कार्य दिवसों में सुबह 9 बजे से सायं 6 बजे तक पुलिस लाइन स्थित पुलिस परिवार कल्याण केंद्र के प्रभारी के पास अपना पंजीकरण कराएं। शिविर में सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु विधिवत भरे हुए पंजीकरण प्रपत्र, अभिभावकों/संरक्षकों की सहमति पत्र सहित, 16 मई, 2026 (दोपहर) तक अनिवार्य रूप से जमा करने होंगे। किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा स्पष्टीकरण के लिए इच्छुक व्यक्ति आधिकारिक हेल्पलाइन नंबर 9933297697 (पुलिस लाइन) पर संपर्क कर सकते हैं। प्राप्त विज्ञप्ति में अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ने पुलिस कर्मियों के बच्चों तथा आम जनता से "उड़ान समर कैंप–2026" में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया है, ताकि वे ग्रीष्मावकाश के दौरान समग्र शिक्षा, व्यक्तित्व विकास एवं सकारात्मक गतिविधियों के इस विशेष अवसर का अधिकतम लाभ उठा सकें।

भारी वर्षा संभव, मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह

श्री विजय पुरम, 12 मई

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में 14, 15, 16, 17 एवं 18 मई को एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा (07 से 11 सेंटीमीटर) होने की संभावना है। साथ ही 40–50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाओं एवं वज्रपात के साथ आंधी आने की भी संभावना जताई गई है।

आपदा प्रबंधन निदेशालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अण्डमान तथा निकोबार तट के आसपास 40–50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाएं, जो कभी–कभी 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं, चलने की संभावना है। मछुआरों को 14 से 18 मई तक अण्डमान तथा निकोबार तट के आसपास समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

बेटापुर खाड़ी में समय पर पुलिस

पृष्ठ 1 का शेष

पुलिस टीम तथा पीएमएफ कर्मी तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुए और खाड़ी क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। लगातार प्रयासों के बाद दिनेश को खाड़ी के किनारे से सुरक्षित खोजकर बचा लिया गया। उत्तर व मध्य अण्डमान के पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में आम जनता से अपील की गई है कि किसी भी अपराध अथवा अवैध गतिविधि से संबंधित विश्वसनीय सूचना अपने निकटतम पुलिस थाना या दूरभाष संख्या 100, 112 तथा 03192–273344 पर साझा करें। सूचना देने वाले व्यक्तियों की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी तथा उन्हें उचित रूप से पुरस्कृत भी किया जाएगा।

खुफिया समन्वय एवं जांच क्षमताओं को

पृष्ठ 1 का शेष

सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का आरंभ श्रीमती सिंधु पिल्लै (आईपीएस), अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुआ। उन्होंने नैटग्रिड प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जांच क्षमताओं को सुदृढ़ करने में आधुनिक खुफिया सूचना साझाकरण तंत्र एवं तकनीकी एकीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान श्री हिरदेश कुमार (आईएएस) ने नैटग्रिड का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया तथा आंतरिक सुरक्षा को मजबूत बनाने में खुफिया समन्वय एवं तकनीक आधारित जांच प्रणालियों की भूमिका पर बल दिया। इसके पश्चात नैटग्रिड टीम द्वारा नैटग्रिड समाधान एवं प्लेटफॉर्म के उपयोग संबंधी विस्तृत प्रस्तुतियां एवं लाइव प्रदर्शन किए गए। कार्यक्रम में अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के विभिन्न रैंकों के कुल 52 अधिकारियों ने एनएससीबीपीटीआई में प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया। इसके अतिरिक्त केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) एवं इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) जैसी एजेंसियों के अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भागीदारी की। साथ ही, अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के सभी 26 पुलिस थानों से लगभग 147 पुलिस कर्मियों ने वर्चुअल माध्यम से प्रशिक्षण में सहभागिता की।

यह कार्यशाला प्रतिभागी अधिकारियों के व्यावसायिक कौशल, अंतर–एजेंसी समन्वय तथा आधुनिक खुफिया एवं जांच प्रणालियों की समझ को विकसित करने हेतु एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुई।

कार्यक्रम का समापन पुलिस उपाधीक्षक (सीआईडी) श्रीमती सुमा मड्डा (दानिप्स) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती सुमा मड्डा (दानिप्स), पुलिस उपाधीक्षक (सीआईडी)/उप–प्राचार्या, एनएससीबीपीटीआई द्वारा संस्थान के प्राचार्य के समग्र पर्यवेक्षण में किया गया।

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ने इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन हेतु नैटग्रिड के प्रति आभार व्यक्त किया तथा पुलिस कर्मियों की जांच दक्षता एवं तकनीकी क्षमताओं को और अधिक सुदृढ़ करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

'12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस–2026' के उपलक्ष्य में आयुष विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का प्रस्ताव

श्री विजय पुरम, 12 मई

'12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस–2026' के अवसर को चिह्नित करने हेतु केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन द्वारा 21 जून, 2026 को आयोजित होने वाले मुख्य योग कार्यक्रम सहित विभिन्न गतिविधियों के आयोजन की योजना बनाई गई है। कार्यक्रमों की समय–सारणी निम्नानुसार है:

क्र.सं.	गतिविधियां	स्थान	तिथि
1.	प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी)	योग हॉल, आयुष अस्पताल, जंगलीघाट	15.05.2026 से 30.05.2026 तक
2.	हेरिटेज योग	सेल्यूलर जेल राष्ट्रीय स्मारक	26.05.2026
3.	चंद्रनमस्कार	मरीना पार्क, श्री विजय पुरम	30.05.2026
4.	तट योग	चिड़ियाटापू	06.06.2026
5.	जनजातीय योग शिविर	स्ट्रेट आइलैंड	10.06.2026
6.	फ्लैश मॉब	(क) बम्बूफ्लाट	12.06.2026
		(ख) जंगलीघाट जंक्शन एवं भातूबस्ती	13.06.2026
7.	ऑटिज़्म से ग्रसित बच्चों हेतु योग सत्र	सीआरसी, ब्रुक्शाबाद	17.06.2026
8.	सामूहिक योग प्रदर्शन	द्वीपसमूह के विभिन्न स्थानों पर	21.06.2026

इसके अतिरिक्त, द्वीपसमूह के विभिन्न भागों में स्थित वेलनेस केंद्रों से संबद्ध आयुष विभाग के योग प्रशिक्षकों द्वारा कॉमन योग प्रोटोकॉल, तट योग, वाई–ब्रेक, गर्भवती महिलाओं हेतु योग तथा योग सत्रों संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

आयुष के उप निदेशक से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अधिक जानकारी के लिए आयुष अस्पताल की चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा) डॉ. नंदिनी से मोबाइल नंबर 9449117606 पर संपर्क किया जा सकता है।

मरीन डॉकयार्ड में सुनामी मॉक ड्रिल आयोजित

श्री विजय पुरम, 12 मई

जहाज़रानी सेवा निदेशालय (डीएसएस) द्वारा आज श्री विजय पुरम स्थित मरीन डॉकयार्ड में सुनामी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह अभ्यास डीएसएस के नोडल अधिकारी (आपदा प्रबंधन) की देखरेख में संपन्न हुआ, जिसमें मरीन डॉकयार्ड के सभी कर्मचारियों एवं परिसर में कार्यरत कर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

अभ्यास के दौरान कुल 642 कर्मियों को निर्धारित सुरक्षित आश्रय स्थल तक निकाला गया। मॉक परिदृश्य के अंतर्गत सभी कर्मियों को निर्धारित एकत्रीकरण स्थलों पर एकत्रित किया गया, जिसके बाद उन्हें व्यवस्थित रूप से मरीन हिल स्थित सुरक्षित आश्रय स्थल तक पहुंचाया गया। अभ्यास में घायल व्यक्तियों के काल्पनिक बचाव अभियान को भी शामिल किया गया, जिन्हें त्वरित प्राथमिक उपचार प्रदान कर बचाव दल द्वारा सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि संपूर्ण अभ्यास मरीन डॉकयार्ड, डीएसएस के मरीन इंजीनियर के समग्र पर्यवेक्षण में सुव्यवस्थित एवं समन्वित ढंग से संपन्न हुआ, जिसने प्रभावी आपदा प्रतिक्रिया प्रणाली एवं विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय को प्रदर्शित किया। स्थिति सामान्य घोषित किए जाने के बाद सभी कर्मी सुरक्षित रूप से अपने–अपने कार्यस्थलों पर लौट गए। निदेशालय ने कहा कि वह सुनामी एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं जैसी आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए तत्परता एवं लचीलापन विकसित करने हेतु इस प्रकार की तैयारियों के माध्यम से कर्मियों एवं परिसंपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मीठाखाड़ी आंगनवाड़ी केंद्र में चला जेंडर जागरूकता अभियान

श्री विजय पुरम, 12 मई

दक्षिण अण्डमान की मीठाखाड़ी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में डीएवाई–एनआरएलएम के तत्वावधान में एफएनएचडब्ल्यू सीआरपी एवं जेंडर सीआरपी की सक्रिय भागीदारी से आज जेंडर जागरूकता अभियान (जीएसी) चलाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय के लोगों के बीच महत्वपूर्ण सामाजिक एवं बाल संरक्षण संबंधी मुद्दों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

अभियान के दौरान गुड टच एवं बैड टच, बाल सुरक्षा, महिला सुरक्षा, बाल विवाह की रोकथाम तथा कानूनी दत्तक ग्रहण प्रक्रिया जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। संसाधन व्यक्तियों ने असुरक्षित व्यवहार की पहचान, शोषण एवं हिंसा की रिपोर्टिंग तथा महिलाओं एवं बच्चों की कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जागरूकता कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की सदस्याओं, लाभार्थियों, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय निवासियों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम का समापन संवादात्मक चर्चा सत्र के साथ हुआ। यह कार्यक्रम ज़मीनी स्तर पर लैंगिक संवेदनशीलता, महिला सशक्तिकरण तथा बाल संरक्षण तंत्र को मजबूत करने की दिशा में डीएवाई–एनआरएलएम के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।

मछुआरों एवं सहकारी प्रतिनिधियों के लिए कोच्चि एवं उडुपी में एक्सपोज़र भ्रमण

श्री विजय पुरम, 12 मई

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के मत्स्य विभाग द्वारा केंद्रीय मत्स्य जहाज़रानी एवं अभियांत्रिकी संस्थान (सीफनेट), कोच्चि के सहयोग से तथा भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड के वित्तीय सहयोग से दक्षिण अण्डमान तथा उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िलों के छह नामित मत्स्य सहकारी प्रतिनिधियों/मछुआरों के लिए 11 से 16 मई तक कोच्चि एवं उडुपी का एक सप्ताह का एक्सपोज़र भ्रमण आयोजित किया गया है।

नामित प्रशिक्षुओं में अण्डमान तथा निकोबार मत्स्य सहकारी महासंघ, दक्षिण अण्डमान के अध्यक्ष; उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला मत्स्य सहकारी महासंघ के अध्यक्ष; प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के अंतर्गत गहरे समुद्र में मत्स्य नौकाओं के आवेदक; तथा मत्स्य अवतरण केंद्र (एफएलसी), जंगलीघाट से लॉन्गलाइन मत्स्य संचालन में संलग्न यंत्रीकृत मत्स्य नौकाओं के स्वामी शामिल हैं।

नवंबर, 2025 में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह को "टूना क्लस्टर" घोषित किए जाने के परिप्रेक्ष्य में यह एक्सपोज़र भ्रमण अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। टूना क्लस्टर पहल का उद्देश्य सतत टूना मत्स्य पालन को बढ़ावा देना, गहरे समुद्र में मत्स्य पालन अवसंरचना को सुदृढ़ करना, मछुआरों की आय में वृद्धि करना तथा टूना के संग्रहण, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन एवं निर्यात हेतु एकीकृत मूल्य श्रृंखला विकसित करना है।

एक्सपोज़र भ्रमण के प्रथम दिवस प्रशिक्षुओं को सीफनेट में साशिमी–ग्रेड टूना गुणवत्ता प्राप्त करने तथा नौकाओं पर स्वच्छ मत्स्य प्रबंधन पद्धतियों को बनाए रखने संबंधी जानकारीपूर्ण एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान व्यावहारिक प्रदर्शन एवं प्रत्यक्ष अभ्यास भी कराया गया, जिससे लाभार्थियों को मछली की गुणवत्ता सुधारने, बाज़ार मूल्य बढ़ाने तथा वैज्ञानिक दोहनोत्तर प्रबंधन तकनीकों को अपनाने में सहायता मिलेगी।

प्रशिक्षुओं को आधुनिक टूना मत्स्य संचालन में उपयोग किए जाने वाले उन्नत ऑनबोर्ड संरक्षण तंत्र, बर्फीकरण तकनीक, ग्रेडिंग पद्धतियों तथा स्वच्छ प्रबंधन प्रोटोकॉल से भी अवगत कराया गया। सीफनेट के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए निर्यात क्षमता बढ़ाने एवं मछुआरों को बेहतर आर्थिक लाभ सुनिश्चित करने हेतु अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला।

मत्स्य विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दूसरे दिन प्रशिक्षुओं ने समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए), कोच्चि का भ्रमण किया, जहां एमपीईडीए के सहायक निदेशक ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह से समुद्री उत्पादों के निर्यात अवसरों की संभावनाओं पर एक जानकारीपूर्ण सत्र आयोजित किया। सत्र में निर्यातकों के लिए उपलब्ध विभिन्न वित्तीय सहायता योजनाओं, टूना एवं संबद्ध मत्स्य प्रजातियों की गुणवत्ता उन्नयन उपायों, घरेलू एवं निर्यात बाज़ारों की आवश्यकताओं तथा समुद्री उत्पादों के प्रबंधन, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन में अंतरराष्ट्रीय मानकों को अपनाने के महत्व पर भी चर्चा की गई।

मृतक की पहचान एवं दावा हेतु अपील

श्री विजय पुरम, 12 मई

मध्य अण्डमान के नींबूडेरा निवासी स्वर्गीय प्रोलाद मृधा के पुत्र रंजीत मृधा (आयु 62 वर्ष) नामक पुरुष मरीज का 27 अप्रैल, 2026 को श्री विजय पुरम के जीबी पंत अस्पताल में निधन हो गया। मृतक का शव वर्तमान में जीबी पंत अस्पताल के शीतगृह में रखा गया है। अब तक मृतक के किसी भी परिजन अथवा परिचित व्यक्ति द्वारा शव का दावा नहीं किया गया है। जीबी पंत अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में आम जनता, गैर–सरकारी संगठनों तथा मृतक के परिजनों से आगे आकर शव पर दावा करने की अपील की गई है। यदि प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर कोई भी व्यक्ति अथवा परिजन उक्त शव पर दावा करने के लिए आगे नहीं आता है, तो जीबी पंत अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक बिना किसी अतिरिक्त सूचना के उक्त शव का अंतिम निस्तारण करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

देश के पास 69 दिन का कच्चा तेल और 45 दिन का एलपीजी भंडार मौजूद–केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री

नई दिल्ली, 12 मई।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत ने अपने घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) उत्पादन को 35–36 हजार टन से बढ़ाकर 54 हजार टन प्रतिदिन कर दिया है। उन्होंने कहा कि देश के पास 69 दिन का कच्चे तेल एवं एलएनजी तथा 45 दिन का एलपीजी का भंडार मौजूद है।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते हुए हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि उत्पादन में बढ़ोतरी देश की ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित करने और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण आपूर्ति में आई रुकावटों की भरपाई करने के लिए एक रणनीतिक कदम है। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी की मितव्ययिता उपाय अपनाने की अपील को सतर्कता बरतने के संकेत के रूप में लिया जाना चाहिए और पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न राजकोषीय दबाव को कम करने के उपायों पर विचार शुरू करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मितव्ययिता की अपील पश्चिम एशिया में जारी संकट से उत्पन्न राजकोषीय दबाव को कम करने के उपायों पर विचार शुरू करने का संकेत है। दरअसल हैदराबाद में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पेट्रोल–डीजल की खपत कम करने, शहरों में मेट्रो का इस्तेमाल बढ़ाने, कारपूलिंग अपनाने, इलेक्ट्रिक वाहनों का ज्यादा इस्तेमाल करने, पार्सल परिवहन के लिए रेलवे सेवाओं का उपयोग करने और 'वर्क फ्रॉम होम' अपनाने की सलाह दी थी, ताकि विदेशी मुद्रा को बचाया जा सके।

दक्षिण अण्डमान में दूध और दूध उत्पादों के वितरण के लिए ट्रांसपोर्टर किराए पर लेने हेतु निविदा आमंत्रित सूचना

अण्डमान निकोबार द्वीपसमूह एकीकृत विकास निगम लिमिटेड (अनिडको लिमिटेड), श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान क्षेत्र में आवश्यकतानुसार दूध और दूध उत्पादों के वितरण के लिए ट्रांसपोर्टर किराए पर लेने हेतु सीलबंद निविदाएं आमंत्रित करता है।

निविदा दस्तावेज वेबसाइट www.andaman.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है या 04.05.2026 तक किसी भी कार्य दिवस पर वरिष्ठ प्रबंधक (एमपी/सीएस), अनिडको लिमिटेड, विकास भवन, श्री विजय पुरम से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 05/06/2026 को दोपहर 3.00 बजे तक है, जिसे उसी दिन अपराहन 4.00 बजे बोलीदाताओं या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों (यदि कोई हो) की उपस्थिति में खोला जाएगा।

अनिडको के प्रबंध निदेशक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।
निविदा आईडी 2026_ANMLK_22984_1

महाप्रबंधक (एमपी), अनिडको लिमिटेड
फा.नं. 1–180/अनिडको/एमपी/2020–21/641

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, तुशनाबाद की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर(सीसीए)/2026–27/38

कार्य का नाम : टुश्नाबाद ग्राम पंचायत के अंर्तगत हबडीपुर बंगाली बस्ती में मुख्य सड़क से लेकर श्री. सुबोध मंडल के घर तक ग्रामीण सड़क की मरम्मत और रखरखाव।

अनुमानित लागत : रु. 22,58,898/–, धरोहर राशि : रु. 45,178/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 20/05/2026 के सायं 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_22985_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

DISTRICT CHILD PROTECTION UNIT
OFFICE OF THE DEPUTY COMMISSIONER
NORTH & MIDDLE ANDAMAN DISTRICT, MAYABUNDER
Dated the 11 May 2026

VACANCY NOTICE

F. No. 3-75/SAA/DCPU (N&MA)/vacancy/2026/

Applications are invited from eligible candidate(s) for the post of Manager/Coordinator, Social Worker-cum-Early Childhood Educator, Nurse, Doctor (Part Time), Ayahs and Chowkidar purely on contractual basis in Specialized Adoption Agency (SAA) under Mission Vatsalya Scheme, O/o the Deputy Commissioner, North & Middle Andaman District, Mayabunder.

The last date for receipt of application is kept on 30.05.2026

Interested candidate can download the Vacancy Notice from (www.andaman.gov.in) and (https://northmiddle.andaman.nic.in/) and apply for the post directly or through surface mail in the following address:

Surface Mail: DISTRICT CHILD PROTECTION OFFICER
DISTRICT CHILD PROTECTION UNIT
OFFICE OF THE DEPUTY COMMISSIONER
N&M ANDAMAN DISTRICT, MAYABUNDER
PIN: 744204, PH: 03192-273127

Assistant Commissioner (HQ),
North &Middle Andaman, Mayabunder

अगले चार साल में केन्द्र सरकार देश के मेडिकल कॉलेजों में दस हजार और सीटें करेगी सृजित–केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री

नई दिल्ली, 12 मई।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा ने कहा कि आने वाले चार साल में केन्द्र सरकार देश के मेडिकल कॉलेजों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की 10,000 और सीटें सृजित करेगी। भारत मंडपम में मंगलवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के 51वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि एम्स नई दिल्ली वर्तमान में 900 से अधिक बाह्य अनुसंधान परियोजनाओं पर काम कर रहा है, जिनके लिए वित्त पोषण उपलब्ध कराया गया है। उन्हें देशभर में उभरते एम्स संस्थानों को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य सौंपा गया है।

एम्स से स्नातक होने वाले छात्रों को बधाई देते हुए जेपी नड्डा ने कहा, "यह दीक्षांत समारोह केवल एक समापन समारोह नहीं है बल्कि यह सात दशकों की निस्वार्थ सेवा को डिजिटल युग से संचालित भविष्य से जोड़ने वाला एक सेतु है। एम्स नई दिल्ली हमेशा से एक शैक्षणिक केंद्र या अस्पताल से कहीं अधिक रहा है– यह अपने आप में एक ब्रांड है।" उन्होंने कहा कि एम्स में 300 करोड़ रुपये की धनराशि से 900 से अधिक बाह्य अनुसंधान परियोजनाएं चला रहा है। इसके अतिरिक्त, 150 से अधिक आंतरिक अनुसंधान कार्य भी चल रहे हैं।" उन्होंने बताया कि नवीनतम क्यूएस विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग में, एम्स नई दिल्ली ने दो साल पहले 145वें स्थान से छलांग लगाकर चिकित्सा क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर 105वां स्थान हासिल किया है– जिससे भारत के प्रमुख चिकित्सा संस्थान के रूप में इसका स्थान मजबूत हुआ है और यह वैश्विक शीर्ष 100 में शामिल होने के बेहद करीब पहुंच गया है। उन्होंने कहा, "ये हालिया उपलब्धियां मात्र तकनीकी मील के पत्थर नहीं हैं ये राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्य की पूर्ति हैं।"

पिछले 11 वर्षों में भारत के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य को बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए नड्डा ने कहा, "केवल एम्स में बुनियादी

ढांचे के सुधार और नए निर्माण पर ही 2,800 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं।" उन्होंने बताया कि देश भर में एम्स की संख्या 7 से बढ़कर 23 हो गई है। इसी तरह, 2014 में 387 मेडिकल कॉलेजों की तुलना में आज हमारे पास लगभग 825 मेडिकल कॉलेज हैं।"

दीक्षांत समारोह के दौरान, एम्स ने चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा, अनुसंधान और रोगी देखभाल में असाधारण योगदान के लिए पांच प्रतिष्ठित पूर्व संकाय सदस्यों को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्रदान किए। इनमें डॉ (प्रो.) टी. पी. सिंह, पूर्व डीन (परीक्षा), डॉ. शशि वधवा, पूर्व डीन (अकादमिक) और प्रख्यात न्यूरोबायोलॉजिस्ट, डॉ. एस. सी. तिवारी, भारत में नेफ्रोलॉजी और गुर्दा देखभाल नवाचारों के क्षेत्र में अग्रणी, डॉ (प्रो.) आर. सी. डेका, प्रतिष्ठित ईएनटी सर्जन और एम्स के पूर्व निदेशक, डॉ. वी. एस. मेहता शामिल हैं। स्नातक, स्नातकोत्तर, सुपरस्पेशलिटी, डॉक्टरेट, नर्सिंग और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान कार्यक्रमों में कुल 523 डिग्रियां प्रदान की गईं। संस्थान ने एमबीबीएस, नर्सिंग और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान कार्यक्रमों के मेधावी छात्रों को 18 पदक, पुस्तक पुरस्कार और प्रशंसा प्रमाण पत्र भी प्रदान किए, जो विभिन्न विषयों और कार्यक्रमों में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन को मान्यता देते हैं।

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्री विज्ञान भवन में 16वीं पेंशन अदालत की अध्यक्षता करेंगे

नई दिल्ली, 12 मई। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह कल नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 16वीं पेंशन अदालत की अध्यक्षता करेंगे। इस अदालत में 37 मंत्रालयों और विभागों से संबंधित 985 लंबित पेंशन शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया जाएगा। पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने कहा कि 2017 में अपनी स्थापना के बाद से पेंशन अदालतें लंबे समय से लंबित और जटिल पेंशन शिकायतों के समाधान के लिए एक प्रभावी मंच साबित हुई हैं। अब तक आयोजित 15 पेंशन अदालतों के माध्यम से लगभग 28 हजार मामलों पर सुनवाई हुई है, जिनमें से लगभग 20 हजार मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया है, जो 71 प्रतिशत से अधिक की सफलता दर को दर्शाता है। शेष मामलों का समाधान भी संबंधित पेंशन अदालतों के बाद अंतर–मंत्रालयी समीक्षा बैठकों के माध्यम से किया गया है।

लक्षण दिखते ही सबसे अधिक संक्रामक होता है हंटावायरस–डब्ल्यूएचओ

जिनेवा, 12 मई।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि क्रूज जहाज पर फैले घातक हंटावायरस संक्रमण में मरीज लक्षण दिखाई देने के शुरुआती समय में सबसे अधिक संक्रामक होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसी वजह से संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों को क्वारंटीन करने की सिफारिश की है।

डच झंडे वाले क्रूज जहाज एमवी होंडियस पर फैले इस दुर्लभ वायरस संक्रमण से अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। जहाज से निकाले गए यात्रियों के अपने–अपने देशों में लौटने के बाद संक्रमण के संभावित फैलाव को लेकर वैश्विक चिंता बढ़ गई है।

डब्ल्यूएचओ के महामारी विज्ञान एवं विश्लेषण विभाग के प्रमुख डॉ ओलिवियर ले. पोलैन ने बताया कि बीमारी की शुरुआत में ही संक्रमण फैलने का खतरा सबसे ज्यादा होता है। उन्होंने कहा कि शुरुआती लक्षण हल्के हो सकते हैं, जैसे थकान या हल्का बुखार, लेकिन बाद में स्थिति गंभीर हो सकती है। इसलिए लक्षणों का इंतजार किए बिना संभावित संपर्कों को अलग करना जरूरी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जहाज पर मौजूद लगभग 150 लोगों के लिए छह सप्ताह के क्वारंटीन की सिफारिश की है। यह अवधि एंडीज वायरस की अधिकतम ऊष्मायन अवधि के अनुरूप है, जो करीब 42 दिन मानी जाती है। एंडीज वायरस हंटावायरस का ऐसा प्रकार है जो इंसानों

के बीच फैल सकता है।

कई देशों ने डब्ल्यूएचओ की सलाह मानते हुए सख्त क्वारंटीन व्यवस्था लागू की है। जर्मनी, ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड और ग्रीस ने 45 दिन तक निगरानी रखने का फैसला किया है, जबकि ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस ने क्रमशः तीन और दो सप्ताह की न्यूनतम निगरानी अवधि तय की है।

हालांकि अमेरिका ने अपने लौटे यात्रियों के लिए अनिवार्य क्वारंटीन का स्पष्ट निर्णय नहीं लिया है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने इसे जोखिमपूर्ण बताया है।

डॉ पोलैन के अनुसार क्रूज जहाज का बंद वातावरण संक्रमण फैलने के लिए अनुकूल साबित हुआ, क्योंकि बड़ी संख्या में लोग सीमित स्थान में साथ रह रहे थे। इसी कारण सामान्य परिस्थितियों की तुलना में संक्रमण तेजी से फैलने की आशंका बढ़ गई।

कश्मीर यात्रा के लिए पसंदीदा बनी वंदे भारत

नई दिल्ली, 12 मई।

जम्मू–श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ने अपने परिचालन के पहले 10 दिनों में लगभग 45 हजार यात्रियों को सेवा प्रदान की है। जम्मू–कश्मीर कॉरिडोर पर शुरू हुई इस सेवा ने तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, स्थानीय लोगों और व्यापारियों के लिए घाटी तक पहुंच को पहले से कहीं अधिक आसान, तेज और किफायती बना दिया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 6 जून 2025 को ऐतिहासिक 272 किलोमीटर लंबे उधमपुर–श्रीनगर–बारामूला रेलवे लिंक का उद्घाटन किया था। इसके बाद 30 अप्रैल 2026 को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विस्तारित 20 कोच वाली जम्मू–तवी–श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

2 मई से नियमित परिचालन शुरू होने के बाद महज 10 दिनों में चारों ट्रेनों ने दोनों दिशाओं में कुल 44,727 यात्रियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाया। वहीं, परिचालन के पहले सप्ताह में ही 8 मई तक 28,762 यात्रियों ने इस सेवा का लाभ उठाया।

जम्मू–कश्मीर कॉरिडोर पर फिलहाल वंदे भारत सेवाओं की दो जोड़ियां संचालित हो रही हैं। ट्रेन संख्या 26401 और 26402 मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलती हैं, जबकि ट्रेन संख्या 26403 और 26404 बुधवार को छोड़कर बाकी सभी दिनों में संचालित होती हैं। इससे सप्ताह में अधिकतर दिनों में यात्रियों को चार ट्रेनों की सुविधा मिल रही है।

इतिहास के पन्नों में 13 मईः भारतीय संसदीय लोकतंत्र के इतिहास का महत्वपूर्ण दिन

नई दिल्ली, 12 मई।

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 13 मई का विशेष महत्व है। यह दिन स्वतंत्र भारत की संसदीय व्यवस्था की औपचारिक शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। आजादी के बाद देश में पहली बार गठित संसद का पहला सत्र 13 मई, 1952 को आयोजित किया गया था, जिसने भारतीय लोकतंत्र को संस्थागत रूप देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम रखा। स्वतंत्र भारत में आम चुनाव के बाद संसद के उच्च सदन राज्य सभा का गठन 03 अप्रैल, 1952 को किया गया। इसके बाद राज्यसभा का पहला सत्र 13 मई, 1952 को आयोजित हुआ। यह भारतीय संसदीय परंपरा की शुरुआत का महत्वपूर्ण अवसर था, जहां नवगठित गणराज्य की विधायी प्रक्रिया ने औपचारिक रूप से काम करना शुरू किया।

इसी क्रम में निचले सदन लोकसभा का गठन 17 अप्रैल, 1952 को हुआ। पहली लोकसभा का पहला सत्र भी 13 मई, 1952 को ही बुलाया गया। यह वह दौर था जब देश लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत आधार देने की दिशा में आगे बढ़ रहा था। भारत के पहले आम चुनाव 1951–52 में संपन्न हुए थे, जिन्हें दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक अभ्यास माना गया। इन चुनावों के बाद गठित संसद ने देश में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था को स्थायी रूप प्रदान किया। संसद के पहले सत्र ने संविधान के अनुरूप विधायी कार्यों की शुरुआत की और जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को राष्ट्रीय नीतियों पर चर्चा का मंच मिला।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1830– इक्वाडोर गणराज्य की स्थापना, जुआन जोस फ्लोरेंस पहले राष्ट्रपति बने।

1846 – अमेरिका और मैक्सिको के बीच पिछले एक साल से टैक्सास को लेकर चल रहे तनाव के बीच कांग्रेस ने अपने इस पड़ोसी देश के खिलाफ युद्ध का ऐलान किया।

1918 – भारत ने राजस्थान के पोखरण में दो परमाणु परीक्षण किये।

1952 – स्वतंत्र भारत में संसद का पहला सत्र आहूत।

1960 – मैक्स इसेलीन के नेतृत्व में स्विटजरलैंड का एक खोजी दल हिमालय में धौलागिरी पर्वत शिखर पर पहुंचा।

1962 – सर्वपल्ली राधाकृष्णन देश के दूसरे राष्ट्रपति बने।

1981 – पोप जॉन पॉल द्वितीय को तुर्की के एक नागरिक ने वेटिकन सिटी के सेंट पीटर्स स्क्वेयर में गोली मार दी। पोप इस हमले में गंभीर रूप से घायल हुए।

1995 – चेल्सी स्मिथ मिस यूनिवर्स 1995 बनीं।

1995 – ब्रिटेन की एक महिला, जो दो बच्चों की मां थी, ने शेरपाओं की मदद और आक्सीजन के बिना एवरेस्ट फतह करने के कारनामे को अंजाम दिया।

1998 – अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने परमाणु परीक्षण के विरोध में भारत के खिलाफ कड़े प्रतिबंध की घोषणा की।

1998 – जापान ने भारत को दी जाने वाली सहायता पर रोक लगायी।

1998 – ट्रिनडाड एवं टोबैगो की सुन्दरी बेंडी फिट्ज विलियम मिस यूनिवर्स 1998 बनीं।

1999 – जापानी छात्र के नागुयी विश्व की सात सर्वोच्च चोटियों पर चढ़ने वाला दुनिया का सबसे कम उम्र (25 वर्षीय) का पर्वतारोही बना।

2000 – मिस इंडिया लारा दत्ता ने साइप्रस में सम्पन्न प्रतियोगिता में मिस यूनीवर्स –2000 का खिताब जीता।

2003 – रियाद में आत्मघाती हमलों में 29 व्यक्ति मारे गये।

विदेश मंत्री ने विज्ञान और गणित में भारत के योगदान को मान्यता देने का किया आग्रह

संयुक्त राष्ट्र, 12 मई।

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने गणित और विज्ञान के इतिहास को लेकर प्रचलित "एक–आयामी दृष्टिकोण" से आगे बढ़ने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने ऐसी समावेशी और लोकतांत्रिक ऐतिहासिक सोच की वकालत की, जो इन क्षेत्रों में भारत के मूलभूत योगदान को उचित पहचान दे।

सोमवार को यहां गणित में भारत के योगदान पर एक एग्जिबिशन का उद्घाटन करते हुए, उन्होंने तीसरी सदी में भारत में विकसित हुए बाइनरी सिस्टम का उदाहरण दिया, जिसकी नींव पर डिजिटल युग और एआई में दुनिया का सफर टिका है।

उन्होंने कहा, "जैसे–जैसे हम एआई के सफर पर निकलेंगे, ये सच और साफ होते जाएंगे, जहां अतीत की हमारी समझ भविष्य के टूल्स से फायदा उठाएगी। यह एग्जिबिशन याद दिलाती है कि गणित यूनिवर्सल है और इसके विस्तार से दुनिया भर में अच्छा काम हुआ है और हो रहा है।"

उन्होंने कहा कि फरवरी में भारत में हुए एआई इम्पैक्ट समिट ने एक मजबूत मैसेज दिया कि क्रिएटिविटी और इनोवेशन कुछ लोगों तक सीमित नहीं रह सकते। विदेश मंत्री ने कहा, "अतीत की गलतियों को ठीक करके ही हम भविष्य के मुद्दों को सही तरीके से सुलझा सकते हैं। यह यूएन के लिए मायने रखता है, क्योंकि एक अलग–अलग तरह का और लोकतांत्रिक समूह एक ही तरह की कहानी पर नहीं बन सकता।"

डॉ एस जयशंकर ने आगे कहा, "हमें यह समझने की जरूरत है कि तकनीक के लोकतंत्रीकरण के लिए, असल में, दुनिया के लोकतंत्रीकरण के लिए, इतिहास के लोकतंत्रीकरण की जरूरत है।" उन्होंने कहा, "बहुत लंबे समय से वैज्ञानिक तरक्की को एक छोटी नजर से देखा जाता रहा है, जो समय और भूगोल में सीमित है।"

लेकिन उन्होंने कहा, "जैसे–जैसे भू–राजनीतिक उथल–पुथल से राजनीतिक और आर्थिक पुनर्संतुलन हो रहा है, यह जरूरी तौर पर सांस्कृतिक पुनर्संतुलन का रास्ता भी बना रहा है और यह अलग–अलग तरह की बातों के लिए जगह बनाकर किया जाएगा।"

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के एसएएमएचआईटीए प्रोग्राम के तहत इंटरैक्टिव एग्जिबिशन, 'ग्लोबल डिफ्यूजन ऑफ मैथमेटिक्स' बनाई गई थी ताकि भारत की सीखी हुई विरासत को दिखाया जा सके। यह विरासत मेडिसिन, गणित, आर्किटेक्चर, फिलॉसफी, एस्थेटिक्स और लिटरेचर जैसे फील्ड्स में फैली हुई है।

डिजिटल पैनल्स की एक सीरीज भारत की पुरानी मैथमेटिकल ताकत को दिखाती है, जिसमें बेसिक बाइनरी न्यूमेरिकल सिस्टम से लेकर अलजेब्रा और कैलकुलस तक शामिल हैं। डिस्प्ले पर मैथमेटिकल लैंडमार्क थे जिनका जिक्र विदेश मंत्री जयशंकर ने किया–बाइनरी सिस्टम जिसकी जड़ें पिंगला के तीसरी सदी के छंद सूत्र में हैं पुराने श्लोकों की रिदम जो असल में एल्गोरिद्मिक थीय पाई के लिए इनफिनिट सीरीज और जिसे अब पाइथागोरस थ्योरम कहा जाता है, उसके प्रिंसिपल्स।

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने न्यायालयों के आधुनिकीकरण हेतु उच्च स्तरीय समिति गठित की

नई दिल्ली, 12 मई।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने देशभर की अदालतों के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और न्यायपालिका के लिए बड़े पैमाने पर सरकारी फंडिंग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से "ज्यूडिशियल इंफ्रास्ट्रक्चर एडवाइजरी कमेटी" का गठन किया है। यह समिति अदालतों की मौजूदा जरूरतों का आकलन कर एक राष्ट्रीय रोडमैप तैयार करेगी।

8 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल भारत पाराशर द्वारा जारी ऑफिसियल कम्युनिकेशन के मुताबिक समिति को देशभर की अदालतों में बुनियादी सुविधाओं की कमी, तकनीकी जरूरतों और प्रशासनिक चुनौतियों का अध्ययन कर सिफारिशें देने का जिम्मा सौंपा गया है। समिति न्यायपालिका के लिए 40,000 करोड़ रुपये से 50,000 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता का प्रस्ताव तैयार करेगी।

यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अरविंद कुमार होंगे। इसके अन्य सदस्यों में कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति देबांगसु बसाक, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा, बॉम्बे हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सोमशेखर सुंदरासन तथा केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के महानिदेशक शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट के महासचिव भारत पाराशर समिति के सदस्य सचिव होंगे।

समिति अदालतों में न्यायाधीशों, कर्मचारियों, वकीलों, वादकारियों और विजिटर्स के लिए बेहतर सुविधाओं पर भी सुझाव देगी। इसका प्रमुख फोकस तकनीकी ढांचे के विस्तार, सूचना के तेज आदान–प्रदान और मामलों के निपटारे में देरी कम करने पर रहेगा। समिति ई–कोर्ट्स परियोजना के तहत अदालतों के अधिक कंप्यूटरीकरण, नागरिक–केंद्रित सेवाओं के विस्तार, डिजिटल डिवाइड कम करने और आधुनिक कोर्ट कॉम्प्लेक्स विकसित करने के उपाय भी सुझाएगी।

ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली, 12 मई।

भारत 14 और 15 मई को ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेगा। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर बैठक की अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज नई दिल्ली में बताया कि ब्रिक्स के सदस्य और सहयोगी देशों के विदेश मंत्री और प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुख बैठक में भाग लेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। श्री जायसवाल ने कहा कि बैठक के दौरान ब्रिक्स सदस्य देशों के विदेश मंत्री आपसी हित के वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

भारत और नेपाल संबंधों पर श्री जायसवाल ने कहा कि दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंध हैं। उन्होंने बताया कि नेपाल में चुनाव के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बलेंद्र शाह को बधाई दी और उनसे बातचीत की। श्री जायसवाल ने कहा कि यह भारत और नेपाल की अटूट मित्रता तथा पारंपरिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि दोनों देश साझेदारी को सुदृढ करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने हाल ही में मॉरीशस में नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल से मुलाकात की थी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी को नेपाल यात्रा का निमंत्रण मिला है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात यात्रा के बारे में श्री जायसवाल ने कहा कि इस दौरान ऊर्जा सुरक्षा पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच बहुआयामी संबंधों में ऊर्जा सुरक्षा प्रमुख है। प्रवक्ता ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश बढ़ाने पर भी चर्चा होगी।

श्री मोदी की नॉर्वे, स्वीडन, इटली और नीदरलैंड यात्राओं के बारे में श्री जायसवाल ने कहा कि ये देश नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के केंद्र भी हैं और प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान इन विषयों पर चर्चा होगी।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को चीन के समर्थन से जुड़ी खबरों पर सवाल के जवाब में श्री जायसवाल ने कहा कि ये खबरें पहले से ज्ञात तथ्यों की पुष्टि करती हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम आतंकी हमले का एक सटीक, लक्षित और सुनियोजित जवाब था। इसका उद्देश्य पाकिस्तान से संचालित और उसके इशारे पर काम कर रहे राज्य प्रायोजित आतंकवादी ढांचे को नष्ट करना था। श्री जायसवाल ने कहा कि स्वयं को जिम्मेदार राष्ट्र बताने वाले देशों को इस बात पर विचार करना होगा कि आतंकवादी ढांचे की रक्षा के प्रयासों का समर्थन उनकी प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है।

श्री जायसवाल ने कहा कि पड़ोसी प्रथम नीति के अंतर्गत भारत पड़ोसी देशों को ऊर्जा उत्पादों की आपूर्ति करता रहा है। भारत इन देशों को ऊर्जा आपूर्ति के साथ अपना समर्थन जारी रखेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा पर श्री जायसवाल ने कहा कि भारत के कई देशों के साथ साझेदारी है और हमारे अंतरराष्ट्रीय संबंध मजबूत हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से मातृभाषा व भारतीय ज्ञान परंपराओं को बढ़ावा–केंद्रीय शिक्षा मंत्री

नई दिल्ली, 12 मई।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने आज कहा कि 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' के माध्यम से सरकार मातृभाषा, भारतीय ज्ञान परंपराओं और ए.आई संचालित शिक्षा पर आधारित अनुसंधान और नवाचार को निरंतर बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ के देश विश्वास, समाधान और नेतृत्व की अपेक्षाओं के साथ आज भारत की ओर देख रहे हैं। श्री प्रधान ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद–आई.सी.एस.एस.आर के 58वें स्थापना दिवस के अवसर पर बोल रहे थे। आई.सी.एस.एस.आर की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह संगठन भारतीय परिप्रेक्ष्य में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश एक समग्र समाज की भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण भारत के आत्मगौरव, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और अटूट राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नागरिकों को भारत के हजार वर्षों के इतिहास, संघर्षों और सांस्कृतिक चेतना से प्रेरणा लेकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना होगा।

राष्ट्रमंडल खेल अभियानों में शामिल होने के लिए देश भर के युवा किए गए आमंत्रित

नई दिल्ली, 12 मई।

गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेल (सीडब्ल्यूजी) 2030 की तैयारियों के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) ने मायभारत के सहयोग से तीन राष्ट्रव्यापी जागरूकता पहल शुरू की हैं। इन पहलों का उद्देश्य देशभर में खेल भावना, रचनात्मकता और युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना है। इस अभियान के तहत, प्रतिभागी 'राष्ट्रमंडल खेल 2030 मशाल डिजाइन प्रतियोगिता', 'राष्ट्रमंडल खेल रील चैलेंज' और 'राष्ट्रमंडल खेल 2030 प्रश्नोत्तरी' में भाग ले सकते हैं।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी है। इन प्रतियोगिताओं में मायभारत के सभी उपयोगकर्ता शामिल हो सकते हैं। इनका उद्देश्य 'रुसीडब्ल्यूजी2030इनभारत' के विजन के प्रति जागरूकता और उत्साह पैदा करना है। इससे बारे में अधिक जानकारी के लिए, इस लिंक पर जा सकते हैं
https://mybharat-gov-in/pages/event_detail\event_name¾CWG&2030&Torch&Design&Contest&key¾644159126644

राष्ट्रमंडल खेल 2030 मशाल डिजाइन प्रतियोगिता' में नागरिकों को भारत की संस्कृति, विरासत, नवाचार, सतत विकास और खेल उत्कृष्टता से प्रेरित मशाल का डिजाइन प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया है। प्रविष्टियां डिजिटल या हस्तनिर्मित प्रारूप में 200 शब्दों तक के वैकल्पिक अवधारणा नोट के साथ प्रस्तुत की जा सकती हैं।

आपको बता दें, यह प्रतियोगिता 11 मई, 2026 से 20 मई, 2026 तक ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। प्रतिभागी केवल एक ही प्रविष्टि जमा कर सकते हैं। चयनित विजेताओं को फिट इंडिया उपहार और मान्यता प्रमाण पत्र प्राप्त होंगे, जबकि पात्र प्रतिभागियों को डिजिटल भागीदारी प्रमाण पत्र प्राप्त होंगे। (इनपुट–पीआईबी)

नीट–यूजी 2026 परीक्षा रद्द, अनियमितताओं की जांच सीबीआई करेगी

नई दिल्ली, 12 मई।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने नीट–यूजी 2026 परीक्षा को रद्द करते हुए दोबारा परीक्षा कराने का फैसला किया है। एजेंसी ने परीक्षा में कथित अनियमितताओं और जांच एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर यह निर्णय लिया है। साथ ही केंद्र सरकार ने पूरे मामले की व्यापक जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी है।

एनटीए ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि 3 मई को आयोजित नीट–यूजी 2026 परीक्षा की प्रक्रिया को मौजूदा स्थिति में बरकरार नहीं रखा जा सकता। पारदर्शिता, निष्पक्षता और परीक्षा प्रणाली में छात्रों के भरोसे को बनाए रखने के लिए परीक्षा रद्द करने और दोबारा आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। नई परीक्षा तिथि और दोबारा जारी होने वाले एडमिट कार्ड का कार्यक्रम जल्द ही आधिकारिक माध्यमों से घोषित किया जाएगा। एनटीए ने अभ्यर्थियों और अभिभावकों से केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने और सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट खबरों से बचने की अपील की है।

बयान में कहा गया है कि सरकार ने मामले की विस्तृत जांच सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है और एनटीए जांच एजेंसी को सभी जरूरी दस्तावेज, रिकॉर्ड और सहयोग उपलब्ध कराएगी।

एनटीए ने यह भी स्पष्ट किया कि मई 2026 चक्र में पंजीकरण कराने वाले अभ्यर्थियों का डेटा, उम्मीदवार स्थिति और चुने गए परीक्षा केंद्र आगामी पुनर्परीक्षा के लिए मान्य रहेंगे। इसके लिए दोबारा पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होगी और कोई अतिरिक्त परीक्षा शुल्क भी नहीं लिया जाएगा।

एजेंसी ने कहा कि छात्रों द्वारा पहले से जमा परीक्षा शुल्क वापस किया जाएगा तथा पुनर्परीक्षा एनटीए अपने आंतरिक संसाधनों के माध्यम से आयोजित करेगी। एनटीए ने स्वीकार किया कि पुनर्परीक्षा से छात्रों और उनके परिवारों को असुविधा होगी, लेकिन परीक्षा प्रणाली में भरोसा बनाए रखने के लिए यह कदम आवश्यक था।

अस्थमा में राहत दिलाने में मददगार सूर्य मुद्रा, तनाव को कम कर दिमाग को करती है शांत

नई दिल्ली, 12 मई।

आज के समय में बढ़ते प्रदूषण के चलते लोगों में सांस से जुड़ी परेशानियां ज्यादा देखी जा रही हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक कई लोग अस्थमा, एलर्जी, खांसी और सांस फूलने जैसी दिक्कतों से परेशान हैं। ऐसे में दवाइयों के साथ–साथ योग भी मददगार साबित हो सकता है। योग में कई ऐसी मुद्राएं हैं, जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाने का काम करती हैं। इन्हीं में से एक है सूर्य मुद्रा, जिसे सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है।

आयुष मंत्रालय के मुताबिक, सूर्य मुद्रा शरीर में ऊर्जा बढ़ाने का काम करती है। यह मुद्रा शरीर के अंदर मौजूद अग्नि तत्व को मजबूत करती है। जब शरीर में यह तत्व सही तरीके से काम करता है, तब पाचन बेहतर होता है, शरीर में ताकत बनी रहती है और सांस लेने की प्रक्रिया भी ठीक रहती है। यही वजह है कि सूर्य मुद्रा को अस्थमा जैसी सांस की बीमारियों में सहायक माना जाता है।

सूर्य मुद्रा करने के लिए अनामिका उंगली को मोड़कर अंगूठे से हल्का दबाया जाता है और बाकी उंगलियों को सीधा रखा जाता है। योग में अनामिका उंगली को पृथ्वी तत्व से जोड़ा जाता है, जबकि अंगूठा अग्नि तत्व का प्रतीक माना जाता है। जब अंगूठा अनामिका पर दबाव बनाता है, तब शरीर में गर्मी बढ़ती है और भारीपन कम होने लगता है।

योग विशेषज्ञों का मानना है कि इससे शरीर में जमा कफ कम करने में मदद मिलती है। अस्थमा की परेशानी में सांस की नलियों में सूजन आ जाती है और कफ जमने लगता है। इसकी वजह से मरीज को सांस लेने में दिक्कत होती है। सूर्य मुद्रा शरीर में गर्मी बढ़ाकर कफ को कम करने में मदद करती है। साथ ही यह शरीर में ऑक्सीजन के बहाव को बेहतर बनाती है। जब फेफड़ों तक सही मात्रा में ऑक्सीजन पहुंचती है, तब सांस लेने में राहत महसूस होती है।

हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि अस्थमा में दवाइयां जरूरी हैं और योग को सिर्फ सहायक तरीके के रूप में अपनाना चाहिए। सूर्य मुद्रा के कई फायदे हैं। यह शरीर की अतिरिक्त चर्बी घटाने में मदद करती है। इसके अलावा, यह पेट से जुड़ी समस्याओं में भी फायदेमंद मानी जाती है। गैस, अपच और पेट भारी रहने जैसी परेशानियों में इस मुद्रा का नियमित अभ्यास राहत देता है।–आईएएनएस

खुद को कैसे फिट और फाइन रखते हैं अमिताभ बच्चन, प्रशंसकों को खुद बताया सीक्रेट

नई दिल्ली, 12 मई।

विश्व योग दिवस के करीब आने के साथ ही भारत सरकार का आयुष मंत्रालय योग को जन–जन तक पहुंचाने के लिए लगातार नए प्रयास कर रहा है। मंत्रालय नए योगासनों की विस्तृत जानकारी, उनके फायदे और सही करने की विधि साझा कर आम लोगों को योग के प्रति लगातार प्रेरित कर रहा है। इसी क्रम में मंत्रालय ने अभिनेता अमिताभ बच्चन का एक वीडियो अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया है।

पोस्ट किए पुराने वीडियो में अमिताभ बच्चन आमजन को अपने स्वास्थ्य का राज बताते हुए रोजाना योग करने की सलाह दे रहे हैं। मंत्रालय ने वीडियो के साथ कैप्शन लिखा, "अमिताभ बच्चन से मिली प्रेरणा, जो आज आपको मैट पर ले आएगी यानी आप योगासन के प्रति उत्सुक होंगे। जब इस दिग्गज हस्ती ने खुद एक समृद्ध जीवन का अपना राज साझा किया था।"

वहीं, वीडियो में अमिताभ बच्चन स्पष्ट शब्दों में कहते नजर आते हैं, "मैं हर रोज योग करता हूं। इसने मेरे जीवन को संवारा और समृद्ध किया है। योग को अपनाकर जीवन को उसकी पूरी क्षमता के साथ जिया जा सकता है। ध्यान रखें कि योग हमेशा उचित मार्गदर्शन और परामर्श के साथ ही करना चाहिए।"

आयुष मंत्रालय का यह कदम विश्व योग दिवस (21 जून) की तैयारियों को और मजबूत बनाता है। मंत्रालय पहले भी कई योग गुरुओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों और सेलिब्रिटीज के माध्यम से योग के महत्व पर जागरूकता फैला रहा है। जो न केवल युवा बल्कि बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक के लिए फायदेमंद है।

वास्तव में योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक शांति और आध्यात्मिक विकास के लिए भी बेहद उपयोगी है। नियमित योगाभ्यास से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, तनाव कम होता है, नींद अच्छी आती है और ऊर्जा का स्तर बना रहता है। आयुष मंत्रालय विभिन्न योगासनों की विधि, सावधानियां और लाभों पर लगातार जानकारी दे रहा है। –आईएएनएस